

नाश से पहले गर्व, और पतन से पहले घमण्ड आता है (नीतिवचन 16:18) **टेड हिल्डेब्रांट द्वारा एक कहावत की कहानी**

विक्टर ग्रांट एक ऐसे मैनेजर थे जिनके बारे में लोग दबी हुई, डरी हुई आवाज़ में बात करते थे। लंबे कद के, बेदाग कपड़े पहने हुए और आत्म-महत्व की भावना से भरपूर। विक्टर ने अपनी छवि दयालुता या प्रतिभा से नहीं बल्कि वर्चस्व, दूसरों को नीचा दिखाने और बेशुमार गर्व के ज़रिए बनाई थी। उन्होंने इस बात को कभी नहीं छिपाया कि कंपनी में कोई भी उनकी बुद्धि, नेतृत्व या दूरदर्शिता की बराबरी नहीं कर सकता।

वह अक्सर कार्यालय में एक राजा की तरह घूमता था जो अपनी प्रजा का निरीक्षण कर रहा था, आलोचना इस तरह करता था मानो वह कोई उपकार हो और उन विचारों को खारिज कर देता था जो उसके अपने नहीं थे। कर्मचारी उसकी तीखी जुबान से डरते थे और उसकी क्रूर, व्यंग्यात्मक टिप्पणियों से घबरा जाते थे। पिछले कुछ वर्षों में, कई होनहार युवा प्रतिभाएँ विक्टर के दमघोंटू और दमघोंटू शासन से तंग आकर उसे छोड़ कर चली गईं।

लेकिन जो लोग बचे उनमें एवलिन हार्ट भी थीं।

एवलिन विनम्र, स्थिर, शांत और चौकस थी - एक ऐसी महिला जो तैयारी और धैर्य की ताकत में विश्वास करती थी। जबकि विक्टर ने उसे अनदेखा कर दिया, उसे अपनी भव्य मशीन में एक साधारण दाँते के रूप में माना, एवलिन दूसरों की सावधानीपूर्वक सुन रही थी, सीखने और नवाचार के लिए खुली थी। उसकी दयालुता और प्रतिभा ने आसानी से अपने साथियों का सम्मान प्राप्त कर लिया।

एक दिन, कंपनी ने एक बड़े अवसर की घोषणा की: एक हाई-प्रोफाइल क्लाइंट से एक आकर्षक अनुसंधान अनुदान जो उनके भविष्य को फिर से परिभाषित कर सकता था। विक्टर ने, बेशक, खुद को प्रस्ताव का नेतृत्व करने के लिए स्वाभाविक पसंद घोषित किया, यह दावा करते हुए कि किसी और के पास इस तरह के उपक्रम के लिए दृष्टि या कौशल नहीं था।

कार्यकारी बोर्ड, जो थका हुआ था, लेकिन उसे चुनौती देने के लिए तैयार नहीं था, सहमत हो गया - एक चेतावनी के साथ: यदि कोई और बेहतर प्रस्ताव पेश कर सकता है, तो वे उस पर विचार करेंगे।

विक्टर ने उपहास किया। "उन्हें कोशिश करने दो," उसने अहंकारी मुस्कान के साथ कहा, "वे केवल खुद को शर्मिंदा करेंगे।"

एवलिन ने अपने सहकर्मियों से प्रोत्साहित होकर चुपचाप अपनी टीम को इकट्ठा किया। रात-रात भर, उन्होंने अथक परिश्रम किया, अंतर्दृष्टि एकत्र की, रणनीति तैयार की और क्लाइंट की अनकही जरूरतों का अनुमान लगाया। जहाँ विक्टर की योजना साहसिक लेकिन सतही थी, जो दिखावटीपन और अप्रमाणित मान्यताओं पर निर्भर थी, वहीं एवलिन की योजना विचारशील, नवीन और शोध में गहराई से निहित थी।

प्रस्तुति का दिन आ गया। विक्टर आत्मविश्वास के साथ बोर्डरूम में गया, उसे अपनी अंतिम जीत का पूरा भरोसा था। उसने अपनी बात हमेशा की तरह पेश की - व्यापक हाव-भाव, भव्य वादे और अपने अपूरणीय नेतृत्व के बारे में घमंडी शेखी बघारना।

बोर्ड ने विनम्रता से सिर हिलाया।

फिर एवलिन की बारी आई। उसने शांत भाव से बात की, बिना किसी नाटकीयता के अपने काम की ताकत को चमकने दिया। उसने वास्तविक समाधान, विस्तृत जोखिम और आकस्मिकताओं को रेखांकित किया, और क्लाइंट के उद्योग की गहन समझ का प्रदर्शन किया, जिससे कमरे में मौजूद लोग प्रशंसा में चुप हो गए।

जब उसने अपनी बात समाप्त की तो कोई विनम्र तालियाँ नहीं बजीं, केवल उसकी विजय की एक आश्चर्यजनक, स्पष्ट निश्चितता थी।

यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। अनुबंध एवलिन के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा।

विक्टर का पतन बहुत तेजी से और निश्चित रूप से हुआ। उसका अभिमान, जो अब तक उसकी ढाल था, ने उसे अपने आस-पास की उभरती प्रतिभाओं और अपने अहंकार की कमज़ोरियों के प्रति अंधा कर दिया था। उसके अधिकार छीन लिए गए, उसे पदावनत कर दिया गया और किनारे से देखने के लिए छोड़ दिया गया।

एवलिन ने न तो घमंड किया और न ही बदला लेने की कोशिश की। वह बस काम पर लग गई, और साबित किया कि असली ताकत अहंकार में नहीं, बल्कि ध्यान से सुनने और निरंतर और स्थिर उत्कृष्टता के माध्यम से विनम्र ज्ञान में दिखाई देती है।

विक्टर को बहुत देर से इस प्राचीन कहावत की सच्चाई का एहसास हुआ: **"विनाश से पहले गर्व और पतन से पहले अभिमानी आत्मा आती है।"**